परिभाषा धरम री

(राजस्थानी भाषा में)

कल्याणमित्र श्री सत्यनारायण गोयन्का

विपश्यना विशोधन विन्यास

परिभाषा धरम री

विश्व-विपश्यनाचार्य

कल्याणमित्र श्री सत्यनारायण जी गोयन्का

का सार्वजनिक प्रवचन

(राजस्थानी भाषा में)

विपश्यना विशोधन विन्यास

धम्मगिरि, इगतपुरी

परिभाषा धरम री

पू. गुरुजी द्वारा दि. १३ जून, १९९२ को कलकत्ता में चूरू नागरिक परिषद् की ओर से आयोजित सभा में अपनी मातृभाषा राजस्थानी में दिया गया सार्वजनिक धर्म-प्रवचन

चूरू रै धोरां स्यूं उठ कर बंगाल री ई हरी-भरी राजनगरी कलकत्ता मँह आकर बस्योड़ा भाई-बहणां!

आओ, आज थोड़ी सी देर धरम चर्चा करां। समझां कि आपां धरम रो जीवन कय्यां जी सकां? धरम रो जीवन जीणै रो मतलब ओ नहीं लेणो चहियै कि आपां आपणै समाज रा, आपणै संप्रदाय रा जो कर्मकांड है, बांनै कय्यां पूरा करां? बांको धरम स्यूं कोई लेणो-देणो कोनि होवै। दूर-परै को भी संबंध कोनि होवै, बल्कि धरम नै गहराई स्यूं समझण लाग ज्यावां तो लागै कि अै धरम रा दुस्मण है। आपां ने धरम धारण कोनि करण देवै। आपां एक कर्मकांड री पूर्ति करके समझ लेवां कि आपां बड़ा धरमवान होग्या। आपां धरम रो पालण करै लाग्या। जद कि आपां मँह धरम रो नामोनिसाण भी कोनि होवै। तो समझां, धरम के है? कय्यां बींको पालण करकै आपां आपणै जीवन नै सुखी बणा सकां, आपणो मंगळ कर सकां, औरां को मंगळ कर सकां?

पहली कठिनाई तो आपणै आ आवै, पिछला तेबीस बरसां स्यूं जलम-भूमि बरमा नै छोड़ कर ई बडेरां रै देश मँह आयो और धरम री चर्चा करण वास्तै जठै भी दो बात शुरू करूं तो लोगां रै मन मँह एक ही प्रश्न खड्यो होवै कि ओ आदमी कुणसै धरम री बात करसी? हिंदू धरम री, कि बौद्ध धरम री, कि जैन धरम री, कि ईसाई धरम री, कि सिक्ख धरम री, कि मुस्लिम धरम री, कि पारसी धरम री? ओ पिछलै दो हजार बरसां रो अंधेरो है जिकै स्यूं आपां धरम रो अस्तित्व खो दियो। बींकै सागै कोई न